



षट्सुद्राहलक्षे ३

॥ निलकुं का लय आचित कि नलः ३५६
पिगल के साः श्री हवज जाणा ॥ ॥ निलवर्ष दविः कलतिक पाल
धविपार जगत सा क का पिः श्री ने नात्मा दवि ॥ ॥ क्रोध विवृतिः
आनिजं न समाधि रथा द सह ज क लीत क ध विप्या ॥ ॥ रसा विरः
पितः न न सिल सा ला रथा द्य च न स परि च न ल सिल सा ला ॥ ॥
वृक्षा मरु ष्य चः ना ना य न न्द्रा रथा पयि च न च नलः च न सा च म
दल ॥ ॥ ॥ स धूलि पृति पृ नाः दूयि नि कू साल र स क च

दवदेह वन्दि त पादं ॥ ॥ सति आदि वृक्ष श्री संज्ञ कू सा चार त्यं ॥ ६
हिं व द निः पद्म न ल य ष्य च ॥ ॥ कू कू स च वि नाः स च वि व षा न र
न्या ग रि चः क च ल वि हा च ॥ ॥ विषय विष स कू कः या च गः
मन स र वि ष्य वि या पि तः श्री व ग्ग च स्य यं ह ॥ ॥ स ग्ग च च
ज मा दः वि दू आ च र ग्ग व नि त व गी तः य व न कू लि ष्म ॥ ॥

सर्वकलयिया ॥ ॥ छतिसविलविचष्यचजहिजहितहितहिज
सुसमसानरुनरुतसर्वदवःवजषादधदविःसिलतिवयनसं
हावे ॥ ॥ गिरवननूकयकूजाहजालाःगिरवननूकयकूविलः
विलारगिलिरवननवनातकपसाविचःरयमाजगसनसहावे ॥
॥ ॥ अहिनिसिगगत्यचवालकजागःछादिराः ॥ चलावाजः
हावेरजजामचलरयःवन्धनछादिराःरुलियावयकाकाजा ॥ ॥

निदावःजूनगदवाहचकूजाव २ ॥ अरुमहाहयदलित

निचवालः ॥ ॥ अरुगविचनविनासन ॥ ॥ विज्यवाचितः

ताचनिदेविःअरुयनिचअलजतिमय २ ॥ अरिमनासुष

हलदायनिदेविःअरुमजवमतहसवनोगत ॥ ॥

वागहरेवि ॥ तासजति ॥ अरुकूतवयालदिगविदिगखव

नः ॥ अरिचसावरावचन २ ॥ गगनसुखवगगनमूनमून

कालागगनउमचूचू वाजियाल ॥ ॥ ॥ ॥ दूदू नमामिधं

॥ अरुमहाहयदलित

रंगति हाना किमि सवन रंग्य रंग्यता ॥ ॥ पूर्व उच
 यस्मि स द किन वा वदव नः विचन सा वा विघरव नि यास
 २ व जदा किनि धा वव ता वजा किनिः वदा वजा किनि वत
 वतु वद वि ॥ ॥ सिचि नि वा चि नि जतु क उ ला कि नि
 रवदा गय व अ अ क अ दं लु ह सा २ दा कि नि दि य नि व व मि
 व वा जि निः धा व दा वा ज स का अव द नि ॥ ॥ जिन ज न नि
 द विः दा कि न र या य स व ल य म द ह र व ल ह वि नि या २ र व ज ह र क

वदा ग या ग्रा पु न ना मि द वि मि हान द वि ॥ ॥ २ वा ग
 २ वा ग ॥ सा व ज नि ॥ २ ग ज जि न उ द क हा हा य ध वि या र
 कमल कुलि स अ ग वा वा २ द स च क व तिः क ता च रि स वा
 ॥ २ ॥ व म व द्वा म क या ल ध ला ॥ ॥ ॥ ॥ अ सं म ला या व व वा रु
 चि त्त म ज ग र ह ह ल ना २ सा व यि व या यि या व ह ह ॥ ॥
 मा याः स ह ज स र ह र व त्त क वि ना ॥ ॥ या स व क म दः
 क वा द स हा य ध लि या व न ल सि व मा ला २ नि वा हि त

॥ ज जि नि ॥

: लोहितकदयाययि च दमूष अतिविकलावच ॥
 आविधयुयाहं वदौः याययि च मयवः काविवाहतिवि
 नमूडा रविशकुलिसः अर्द्धवद्रुहज ता रुकं व्याघ्रवल्मरव
 तमूडा ॥ ॥ कृतिहविलविहं विलसलनायकः ति
 निचक्रमहाविला रके वूनसिद्याव विवविच मयव हवः
 : जयस्य वससा वच ॥ ॥ वागहं वदि ॥ ता व दूउ मा

नमामि रजिने धातक वलक वत वमूरुति अलं कता र

॥ नमामि र

यक्क हाहानयक्क धातक वय वूध द मी आव मयवा ॥ कु ॥
 नमामि र आमानि यव मयव गदि सिधिव व दायनि रदू
 चितह व नर्धयाय कयं कव दानय नूवकः माह कूय दः
 ॥ ॥ तना दू दू तना दू दू जगत मयव उध वि या मनी
 हव नमसू रयक्क जिने मयवा ॥ ॥ नमामि र धर्म धा
 तवा गि मयव धाद स दूवा वं यवि सदिता र धाद सवल ले
 मूनमून कावा र सर्व द आ यवि सदिता ॥ ॥ नमामि र

॥ नमामि र

॥ ॥ प्रविशन्तु गगनमहाभावापुलेख
 सयिन्तु नवाधिपदं ॥ अत्रामनः ॥ यवधनभावयः पत्रमा
 मृतः मयपत्रमञ्जु २५ सयिकहमग्वयनः सुप्रतथताः नृ
 लनवाधिपदं ॥ सर्वतथागतपूजनयालः प्यातयामिः पापन
 नृ ॥ प्रयुपासादिद्वितपलिवीरुतः कसत्रकृतिहपत्रिलाम
 ल ॥ कसुमउदकः सकृतासन्निकसताः ॥ अिनकलयास

मया वार्यपदं २ मन्तुर्नदपनः सत्रकपत्रदसवत्रग
तिः पत्रदलामत्र ॥ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ त्रिदलसूलाचूडनकचमञ्जुः लाङ्गि
 तटिन्दवनजननिचकनउल्लासिनियनः मालवतलः
 घनच्छदनि ॥ ६ ॥ देवि कवतिकयाधलाः देवितनः
 लसिचमालारकमलकूलिसदूयिताननश्वाग्रयिसहज

॥ जा ॥ कसलवल्ल ॥ को ॥ सप्तदि तठ जा ॥ जा ॥ सह सक
ह ॥ को ॥ डिन वल्ल ह्यि ता ॥ जा ॥ दे ह ध ल ॥ को ॥ तथा
संयुतं ॥ जा ॥ सुमलानमन ॥ को ॥ समव संहा व ॥ जा ॥ समाः
विगुल ॥ को ॥ अदय हान ॥ जा ॥ करून ला से ॥ को ॥ मरित
विकाशितं ॥ जा ॥ धर्म ननू ॥ को ॥ गिरू व न ऊ य ऊ र्य ॥ जा ॥
कसलिकल ॥ को ॥ स नृत्ता निव ज स ल य व म गु रू ॥ जा ॥ वा
ध वि ॥ जा ॥ वा ॥ धर्मा दं या स मां तं कां स नै थि रूं सें या तं थं

॥ धर्मो रक्षति ॥

ॐ दूंकलावलामो ॥ ॥ ॐ नंदमता ॐ नंदचिंत्या ॥
नमामितां च कलिं ज्यं च चिंत्या ॥ ॥ वागज्यं च ॥ १ वा
मंकलनचं च यथा न वरिंदियां १ वं ऊंकं च सुखिंदं दं मा ६
च वरुदं सनं ॥ ६ ॥ ॐ हं हं नमो लः ॥ ॐ हं हं नमो नो ६
: नो वं हं वज्रलां या १ निलं वं नू नि वं क ६ या सलं वं वं
सुं वं वं ॥ ॥ वं कं ॐ यं वा वं नं वि वं वं वं वं नं १ लं
लेलिलितं जि दं सुं हं हं वं वं वं नं ॥ ॥ ॐ वं वं वं वं वं वं ॥

॥ वासुदेवा ॥

॥ १२ ॥

यिः घनवतथासुकांया २ गं गं लं सं यं सर्वविंहा मं वं वं
दं नं ॥ ॥ हं लं यिं स हं लं घनं वं कं अं यिं उं मं वं २ लं नं यिं
गं सां मिनिं तिं हं वं स हं वं वं ॥ ॥ वा सा लं सि ॥ तं लं सा ॥
ति यं वं यं स थ निः वं विं वं कं ना यिं २ दं सां लिं गं लं स वं तं स
गं वं ॥ ॥ हं दिं कं लं नि वं सां ड दिं तं स ना तिं २ जं स
हां सं दं किं उं तिं था मिं ॥ ॥ तं दिं तं स वं यिं निं घं स गं
यिं २ वं विं वं यं वं स यं विं तं वं ॥ ॥ नं नं कां वं यं विं

॥ १३ ॥

तं कं लिं स २ तं दं लं वं वा यं दू यां यं पि यं वं ॥ ॥ घं टं स
यं वं कं लं स तिं तिं ति ना तिं २ जं न्यं न्यं भां घं सं स हां स वं द
नां ॥ ॥ वा गा वि ला सा ॥ तं लं जं ति ॥ हं दं दं दं दं दं दं दं दं
वः सं सां वं तं वं २ दं दं दं दं दं दं दं दं दं दं ॥ ॥ हं वं कं
तं दं तं नां दं तं नां दं ॥ ॥ स वं नं वं वं दं तं वं नं स वं २
कं सं स विं वं यं नं वं स कं वं ॥ ॥ लां वं विं सं कं तं विं
लां हं सां २ तं दं गं नं गं नं जं कं तिं यां वं ॥ ॥ नं सां मिं २

॥ अमरिहसंभुन

अनूवायनसखवलं ॥

॥ अमरिहसंभुन ॥

मलससूडा ॥ जनधर्मा अनउदकविद्वेडा ॥ ॥ य
षवअनूसियालीयनगयले ॥ रु लयविदासयिजिन
गनलयने ॥ ॥ वेधयाश्चालिन् दिथाविषयसर्व
का ॥ गमदतचंगकिनप्रक अनिका ॥ ॥ यवनदूयि
हिदथादधयिपविया ॥ इ लयिवजानलदहदिह
दाटिग ॥ ॥ --- नदि नदयिया नदयिने

सधा ॥ सवतवउहनः विअविनचवूइ ॥

॥ अमरिहसंभुन

॥ अमरिहसंभुन ॥

॥ अमरिहसंभुन ॥ ॥ सुपति मल्लुत मल्लुलचक्रः उडिु तक्रुयताक
वितान ॥ सुपतिनादिगचरजसनकः तदनूचगातवचनल्लमह
॥ ॥ तनादू ननादू दू ननादू ॥ ॥ यचवूडासिकस
वजहय ॥ यव्यतुनाढचिलुदिवा ॥ यगुदिप्रकसहासहना
सा ॥ नूतुगिगववनसमाह ॥ ॥ अवकयानमासिकु
हिहय ॥ माथयविभूथतवनीयं ॥ वाधयविचलवाधगु

नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ ॥ ब्रह्म विष्णु महेश्वर ॥

जयमूर्धितननवद्वन्द्वीधविहारावनयानविषयितमितस
 कलितनादं ॥ ॥ वागल्लेखविताल्लेखित ॥ १ यूर्धदिग्य

वनः च नुग गन्धमनः द विव द्वा यनिः ह ग्ग सनि १ उ र्द ल
दि ग्ग यनः गन्ध र्द म्ग म्ग नः द विव द्वा यनिः य र्द वा हा द
नि ॥ ५ ॥ हे ल व म हा का ल ग न य नि कू सा वाः विव द्वा य
या लः उ र्द उ र्द नि १ य जि या ग म म ज्ज लि व लि र्द वि ला स

दुष्कृतिः अमि निताहि गनं वृद्ध हृदय नग्रा जूरु म्भ सानेः
हृदय युतयि म्भ वगना ॥ ॥ यच्छ्रुतदि ग्यावनः कोलाः

कर्मभानः दवि ब्रूयायनिः गजवाहानि १ दक्षिणेदि
व्याचनः कच के गभस्तानः दवि वाचादिः सहिषाभानि ॥

॥ अंगेन दिग्भावनः पूज्य हा हा सा नः दविको साः
लिमयिला सनि १ नेवे के दि हावनः लक्खिवर्णु हा सा
नः दविवे सुविगक्खु हा नि ॥ ॥ वायि यदि ग्याः

१३ दिनांक

वनः शालाचम्भम्भनः दविवास्तुमुस्तुमनि १०००म्भन
दिग्भावनः किलिकम्भम्भनः दविमहालम्भिसंघवा
हानि ॥ ॥ **कागविहास** ॥ **तालुका** ॥ १३ दिनांकलेन
याः यवनद्वयिता १ वचम्भ वासयककासवना ॥ ॥
थावद्वृत्तावनिभनसावलिता १ मुखयानिलंजनमा
द्वक्ता ॥ ॥ दिनकवमदवः मधुगता १ केवृम्भमन
लस्यवद्वता ॥ ॥ द्वाज्जालिगनः लवनिहासिता १

१०००मांतालि

दवातलनलसिलसिधनमिता ॥ ॥ गवन्निषवनः
पविमूर्त्तगाता १ थावजवायादितुसिलनमिता ॥
॥ **कागनमहाल** ॥ ॥ **तावमया** ॥ १०००मांतालिः यन्त्रक
लालि १ लिरवनपि गलकम्भम्भनवयाने ॥ ॥ लुजयि
याले १०००कवालि १०००नानावाचवः महावलियुजा ॥
॥ समयावकाश्या गवन्निषदविश्वरुचिवरुलिसम
कलवयाने ॥ ॥ सितकंकावकृता वलिमा १०००

॥ इकलकसकल गयन ॥

॥ रुद्राक्षं ध्यात्वा ह्येव नमः

मन्त्रमन्त्रमांसाविलोकादये ॥

॥१॥ वा ग हं नमि

॥ गालि जति ॥

॥ ताल उक्ति ॥ १ निर्मा लाम्बुज मथ गत कवहाः यं कृतम

ययनि ययिता १५ विधमयगहीतयचयल्लवः निलव

वज्रसिन्धुस्तुति ॥

॥ दं दं व न दू व जा चार्यः सन्

न्यासिता कर्म वजि सहत य ह्यस्य नृपिनि २ वजसि द्वा

लिमन्तु परिदुर्लभं हन्ताः लवससूडसननननलिमन्तु

॥ पूर्वद्वयगतयैः सहितः पंचविंशः ॥

तिरुदितावृद्धकार्य २८ दिनिदल गतवजसत्यस्यनूपः

ॐ हवनसमस्तसुखायविसृद्धि ॥

॥ यश्चि मय

गताऽथ संस्तुयिताः पदलेखनसिद्धिः स एव जिता २३

किंचदलगतघं०द्यायनादिताः ह्यनस्रयिनिविध्यजः

नमि॥

॥ आग्यादिदगातव्यतपिताचुलः ह्यामव

यउस्मायिगा १५ अविन्यामित विवम २५ विगाः पुनसामि



५॥ ३ ॥ नमो भगवते ॥ तालुका ॥ १ ॥ नमो भगवते ॥ यथाः ॥ वं काच लावः ॥

三才圖會

॥ वागमावा ॥ १५ ॥ वं गं हं ॥ १५ ॥

२३५५१४११

॥ अक्षय्यम् ॥

॥२॥ जयं गो ॥

कवित २ दम वृधं लु धनिः विवसानंद ॥ ७ ॥ **लागसध**
मत ॥ तालसा ० ॥ ययं वाकु चिद विः ह वृवद विद्य वनि रस्य
वसू वा मुव वं नित व सल ॥ ॥ त ह ग व ति या दू क म ल स
हि व दित ~~...~~ तनु व म न म न का वा २ हा उ मा ल आ र व
ल वि ह चित ना य व च नु उ ला गा २ मि नि ति नि ति न य ति
नि ना ॥ ॥ क व ति र व य व रू द मा ल्या वि न चि ता २ क ध ३
र व द्वा ग ध नि म का के सा ॥ ॥ हि ल स मि धू र ला या वि न

॥ नमदू ॥

यव रा गि ता २ क क लि र क यू ल र ल यि मा वा ॥ ॥ र न
यि स व त व ज वा कु लि रा स र य न मा मि ग्रा व ज आ मि नि ह व
पा ॥ ॥ ॥ वा ग सा ला ॥ वि ला र क वाः स व दं र सा मा २ वि
ता स मा ॥ ला माः व त वा ल वा सा २ अ क दि वा द्यः श वि ना दि
य जाः धू पा दि धा नः ३ व जि त ला लि ॥ न म दू का व न द ह ध
व २ रू च यि स व उ ला व ॥ ॥ त ना दू दू दू त ना दू दू त ना दू दू ॥
॥ ध व ल स मा वि न द ह ध व २ र व द स मा हि य नंद म व ॥

वावाहिकं लुञ्जलिगन्म ॥ ॥ दूँ दूँ दूँ ददिहहलनेमलह
 यवहंवाधियाले २ ददाञ्जविंगनञ्जयरावः नारयिदाने
 सयवलाया ॥ ॥ क्विहचं लुङ्गउचमिहिलुलाकलतिउम
 वजुरहाहिरा २ मज्जयविहकल्यालयदाग्यः यमयवज्जुवद
 ग्रावगदवा ॥ ॥ यं क्विजिनवचमकृतञ्जलं कृताः षउमद्राञ्ज
 हचनहचिता २ जालिकाविदूयिनिञ्जययययित्वाचव
 मिनिवाहनकष्टान् ॥ ॥ नचमिलमालासमग्राहमलदि

यचक्रुत्तिलिकचनहिया २ जल्लजल्लमावृत्तययहचल्लगाव
 तियचमामिवउमिता ॥ १० ॥ **११ गगले च वि ॥ गालज ॥ १२**
 वदालयमानकवः रुलयिञ्जनेलकाधव ॥ मारयिञ्जनादि
 सगनयलियालेः धं सयिमावाविहदले ॥ ॥ ययथाठयथा
 तयसर्वदुष्टवकिचयदूँ हट्पायहवः ग्रावजस्यञ्जहावः काय
 वाकञ्जिहकिलय ॥ ॥ दकिर्नृदावयुहानकलः रुयिञ्ज
 ननेलकाधल २ मालयि यमासिमगनयविवावाः धं सयिमा

सालिवदले ॥ ॥ यन्मिमादायः यन्मातकवः रूलयि अननसलको
धले १ सालयि वरनादिः सगनयलिकावाः धं सयि मा
सालिवदले ॥ ॥ उक्तवः दास विद्यानकवः रूलयि अन
नकोधं १ सालयि यकादि सगनयलिकावाः धं सयि मावा सिर
दले ॥ ॥ नकोनः अरुलविला रूलयि अननवका
धले १ सालयि किमवादि सगनयलिकावाः धं सयि मावा सिर
दले ॥ ॥ अरुकोनः टकि वाज विवाः रूलयि अननव

कोधव ॥ १ सालयि अननवादि सगनयलिकावाः धं सयि मा
सालिवदले ॥ ॥ निसयकोनः निलदनुवर रूलयि अन
नवकोधव १ सालयि वाकादि सगनयलिकावाः धं सयि मा
सालिवदले ॥ ॥ वायुकोनः मा हावलविला रूलयि अन
नकोधले १ सालयि अनलादि सगनयलिकावाः धं सयि मा
सालिवदले ॥ ॥ उक्तवः उषिषरकवः रूलयि अ
ननलकोधले १ सालयि वकादि सगनयलिकावाः धं सयि

मालाविदल ॥ ॥ अथ द्वात्रिंशत् राजविलः सारुचयिजन
नवको धन २ सावयिवकादि सनयविवालाः धनयिमालालि
वदल ॥ ॥ दहदिहदसदं कालयनसामिदसको धनः ॥

सायल्यिदानयतिः सावयिविद्यनिलकावल ॥ ११ ॥

माला ॥ सारुचयिदानयतिः सावयिविद्यनिलकावल ॥ ११ ॥
२ को यिनवासा ॥ २ ॥ सारुचयिदानयतिः सावयिविद्यनिलकावल ॥ ११ ॥
३ ॥ सारुचयिदानयतिः सावयिविद्यनिलकावल ॥ ११ ॥

॥ जंघम ॥ ११ ॥

२ दिहदसदं कालयनसामिदसको धनः ॥ १ ॥
सागा २ सर्वचलसंयुक्तचित्तदवि ॥ ॥ चित्तवर्णसोमच
यिदेवि २ सर्वमलयकवलोकसगावनि ॥ ॥ केनकलदयत
वासकधरनि २ सर्वमलयकवलोकसगावनि ॥ ॥ दिव्याच
काससंयुक्तचित्तदहा २ सर्वमलयकवलोकसगावनि ॥ १ ॥
॥ सारुचयिदानयतिः सावयिविद्यनिलकावल ॥ ११ ॥

॥ वंजि धावि ॥

संवाविमः संवाविमः संवाविमः संवाविमः संवाविमः संवाविमः संवाविमः संवाविमः संवाविमः संवाविमः
विधनालिवंद्राचिरसिचिनिआचिनिउंरकउलाकिनिः
॥ नमामिआयागं वरहानेभ्यश्चियात्रिनिनतदवित्रुतुव
नयविमः ॥ ॥ पूर्वउरुययिभ्यसदहि ननूवभ्रजकिनि
दिचिनिओहिकंवाजिनि ॥ ॥ वाचदिगयाकुरुल्लसदवि
त्रिलिनिनिदविनावालदवि ॥ ॥ हरिहरवृक्षः ॥ ॥ ॥
हरगनरुवाठमआगिनिः हसवसंरावे ॥ १३ ॥ वागमासा ॥

॥ ॐ ॥

संवाविमः संवाविमः संवाविमः संवाविमः संवाविमः संवाविमः संवाविमः संवाविमः संवाविमः संवाविमः
यजानाप्रतिः वदुगिता ॥ गमावि तनुचोवउहेलावयं ॥ वागह
लाव ॥ तालजति ॥ ॥ ॐ ॥ आदूरुद्रुनखाहा ॥ मनुविष्टावउचार
लेरयजायजिकयुजसंराव हललूयसंरवतुव ॥ ॥ रवरव
दिरवाहिलि युजलः चयद्यातयद्यातयचुहवले ॥ २ ॥ यंवामि
यवहः यंकेहलीवः यंकेहानजवलितना ॥ ॥ सर्वजकगः
नगयालेहिसावासादायुयसाववृजकजकिंन्यायुहममम

॥ द्वाविंशति ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥ विविदं वि ॥

हविह नृत्त सा च विह मि व द न २ द व न ल ज स न ग न ; द व न ह
न क व न ॥ ॥ ना व यि व न सा मि ग स व वे ला २ व उ क गि नि
ल गि व ; सा या स व ल म ग न ॥ ॥ व उ वा ना दि अ लि ग न क
थ २ कृ ति ह वि व वि ले म ल स न व मं ल म दि व ॥ ॥ ग य क र
ह न वि स ; स हा स र बा थ २ क व न ल न ला य वि क र ॥ ॥
दा द ह र उ ध वि ल वा लि र व व द न २ निल स र व न ग ग ल ;
क र वि ना ॥ १७ ॥ **क ग म ल ॥ व ता स का का त प थ य कि क र**

॥ व वि क र ॥

सा या द य नि मि द य वा ला ॥ २ ॥ क स थ वि त ह वि य हा म
सा दि को ज म ल क वि य दि क ॥ वा ग य ल म ॥ २ ॥ वा न ॥ व कि
व ल व ल क णी वा व क म र व लं द वि त ; गि व क ल व न ल मि व सा
ली र म व व कि र वि य यि या ; ल स वि ह वि त ग ग न ना व ध
वा या ॥ ॥ ग र स म ह र व दं सो व को ला या द र ना थ ग्रा ह
स व वा या ॥ ॥ व उ क ल व क हा थ ध लि या ; क थ कि या व
स द्वां ग २ स रू त अ गि नि क म ल वि ह मि ग व ; स हा स र व स

लियुसाद ॥ ॥ वज्रवाचादि अलिगलसमयः नाचयिवद
 विदुलसहं २ वाचुविकोलाः किउनिहवव ऊर्द नव व ह ल
 नयुसाद ॥ ॥ सहजसहतिवैयाः गमवति कनयव ह ल
 वचननयुसाद २ यहा अलिगलसहव निलवर्णः विला
 सयिसून्याकवना ॥ १० ॥ **वागमं धारि ॥ ता वं लजायं ॥**
 वननिहितजानूविलासनदहा २ केकनतिनयनरिषमदहा
 ॥ ॥ तनादू दूः दू दू दू जात अचक्रो वलाया ॥ ॥ निविधि

॥ अवेनानि

धनेदति अलिगलसंग २ यासखक धविमिस्ववननाथा ॥
 ॥ हरिहववपूः लाचवसाला २ सालविचनदति अतूरयः
 हवला ॥ ॥ विविधितनमो विलंकतदहा २ जगत विवजि
 तववदलपुवदाता ॥ ॥ **वागमं धारि ॥ ता वं लजायं ॥**
 वनिनिहितवासजानूवसर्वखजकिचला सालसंतुमा २ वा
 गादूरवमोद वक्षि या अः ति नू वन वाया अचलविना ॥ ॥
 नमामि अचलमहालीयनजातम लू निरुदिता २ विध्वना

॥ अवेनानि ॥

